

03/04/25

पञ्चांग की पेटा हुई। अविषय
प्राप्ति अनु-। न्यायालय
समय में रात-रात उर
अविषय लजावद जाही अविषय
प्राप्ति अविषय प्राप्ति स्वयं
अनु-। अविषय प्राप्ति उर प्राप्ति
अविषय हाजरी, अविषय पेटनी
में खारीप किया जाना है
पञ्चांग की फलन सुमार होना
नाकर ले उर हो।



(बिनु देवल)
सहायक कानून एव
उपमन्त्र अधिकारी
धित्तौड़भद्र (राज.)